Our pride, empowered child.

वी. एन्ड सी. पटेल इंग्लिश स्कूल

दिनांक : २०-९-१७

अर्धवार्षिक परीक्षा

पूर्णांक-८०

समय : ३ घण्टा

कक्षा – ९ विषय : हिन्दी

निर्देश : १. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ
२. चारों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
३. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – क (अपठित बोध)

प्र-१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ८

कबीर केवल महान कवि ही नहीं, बल्कि अपने समय के सबसे बड़े और सच्चे समाज-सुधारक तथा युग-निर्माता थे। कबीर पढ़े-लिखे नहीं थे, परंतु वे ज्ञानी व्यक्ति थे। जब उनका जन्म हुआ, तब देश सामाजिक रूढियों और परंपराओं में जकड़ा हुआ था। देश में जात-पाँत, छुआछूत, मूर्ति-पूजा, रोजा-नमाज आदि का बोलबाता था। धर्म और जाति के नाम पर संपूर्ण देश दिन-पर-दिन कमजोर होता जा रहा था। कबीर ने हिंदू तथा मुसलमान दोनों की आलोचना की और समाज में जागृति का नया मंत्र फूँका। कबीर साधु प्रवृत्ति के थे, इसलिए उनकी भाषा विभिन्न भाषाओं की 'खिचड़ी' अथवा 'सधुक्कड़ी' कहलाई। उनकी रचनाएँ 'बीजक' नामक ग्रंथ में संकलित हैं। अपने दोहों और पदों में उन्होंने ज्ञान-अज्ञान, निराकार ईश्वर, आपसी प्रेम आदि की बातें की हैं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. कबीर कौन थे ?
ख. कबीर ने समाज में किसका मंत्र फूँका ?
ग. कबीर की भाषा क्या कहलाई ?
घ. कबीर की रचनाओं में क्या संदेश छिपा है ?
च. 'निराकार' में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए।
छ. 'प्रेम' शब्द का उचित वर्ण-विच्छेद लिखिए।
ज. कबीर की रचनाएँ किस ग्रंथ में संकलित है ?
झ. 'ज्ञानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए।

प्र-२ प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के लिखिए। ६

मनुष्य का जीवन संसार के छोटे-बड़े प्राणियों और पदार्थों में श्रेष्ठ माना गया है। वह इसलिए कि मनुष्य बड़ा बुद्धिमान और कल्पनाशील प्राणी है। अपने विचारों के बल पर ही वह जो चाहे कर सकता है और बहुत ऊँचा उठ सकता है। परंतु विचार सच्चे, सादे और पवित्र होने के साथ-साथ मनुष्य के व्यवहारिक जीवन से संबंध रखने वाले होने चाहिए। इन्हीं बातों को आधार बनाकर 'सादा जीवन, उच्च विचार' को मानव-जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है। सादगी मनुष्य के पहनावे से नहीं, बल्कि उसके प्रत्येक हाव-भाव, विचार तथा जीवन के ढंग से टपकनी चाहिए। यही वास्तविक सादगी है, जो विचारों को भी उच्च बनाकर सब प्रकार की उन्नति और विकास का कारण बनती है। संसार का इतिहास इस बात का गवाह है कि आरंभ से ही सादगी पसंद व्यक्ति ही जनता को

उच्च विचार देकर उन्नति और विकास की राह प्रशस्त करते आ रहे है । महात्मा बुद्ध, संत कबीर, गुरु नानक, महात्मा गाँधी डॉ.राधाकृष्णन, विनोबा भावे आदि इस तथ्य के प्रत्यक्ष प्रमाण है ।

१. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए ।
२. मनुष्य का जीवन श्रेष्ठ क्यों माना जाता है ?
३. उन्नति करने के लिए मनुष्य के विचार कैसे होने चाहिए ।
४. वास्तविक सादगी क्या है ?
५ प्रस्तुत गद्यांश में आए हुए महापुरुषो के नाम लिखिए ।
६. 'सफलता' .शब्द का विलोम शब्द लिखिए ।

प्र-३ निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ६

मैं तो वही खिलौना लूँगा, मचल गया शिशु राजकुमार,
वह बालक पुचकार रहा था, पथ में जिसको बारंबार ।
वह तो मिट्टी का ही होगा, खेलो तुम तो सोने से,
दौड़ पड़े सब दास-दासियाँ, राजपुत्र के रोने से ॥
मिट्टी का हो या सोने का, इनमें वैसा एक नहीं,
खेल रहा था, उछल-उछलकर वह तो उसी खिलौने से ।
राजहठी ने फेंक दिए, सब अपने रजत-हेम उपहार,
लूँगा वही, वही लूँगा मैं, मचल गया वह राजकुमार ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्पो में से चुनिए ।

क. पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।
(१) सोने का खिलौना (२) बालक (३) राजकुमार (४) राजकुमार की हठ

ख. राजकुमार कौन-सा खिलौना लेने की हठ कर रहा था ?
(१) सोने का (२) मिट्टी का (३) चाँदी का (४) पत्थर का

ग. दास-दासियों ने बालक को किस खिलौने से खेलने के लिए कहा ?
(१) सोने के (२) मिट्टी के (३) चाँदी के (४) शीशे के

घ. 'सोने' का समानार्थी शब्द है :
(१) रजत (२) हेम (३) मुक्ता (४) कांस्य

ड. 'राजकुमार' की जिद के कारण उसके लिए किस अन्य शब्द का प्रयोग किया गया है ?
(१) बालहठी (२) शिशु (३) राजहठी (४) योगहठी

च. 'बाह्य' शब्द में प्रत्यय है ?
(१) बाल (२) लक (३) अक (४) इनमें से कोई नहीं

खण्ड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्र-४ क. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए । १

कक्षा, . प्रकृति

ख. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुसार का प्रयोग कीजिए । १

अक, जाच, अबर, चपा

ग. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए ।** १

करीब, खुदा

घ. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द दोबारा लिखिए ।** १

दात, अगूर

च. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अर्थ चंद्राकार का प्रयोग कर शब्द दोबारा लिखिए ।** १

कामन, डाक्टर

छ. **निम्नलिखित शब्दो में '२' की अशुद्धियों को दूर कर शब्द फिर से लिखिए ।** १

कार्यकर्म, कायार्लय

ज. **निम्नलिखित उपसर्ग व प्रत्यय से दो-दो शब्द बनाइए ।** १

जनरल, अक

झ. **निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए ।** १

रिषि, भाज्ञ

ट. **निम्नलिखित शब्दों में से जातिवाचक शब्दों को छाँटकर लिखिए ।** १

लड़का, भारत, सेना, बचपन, सेवक, नदी

ठ. **निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम छाँटकर उनका भेद लिखिए ।** १

१. जो सत्य बोलता है वह नहीं डरता । २. स्वयं के लिए जीना व्यर्थ है ।

ड. **निम्नलिखित शब्दों में से परिमाणवाचक विशेषण छाँटकर अलग लिखिए ।** १

पापी, प्राचीन, चार वृक्ष, कुछ दाल, थोडा आटा, वह लड़का

खण्ड-ग (पाठ्य पुस्तक)

प्र-६ क. 'मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय' पाठ के लेखकको कितनी बार हार्ट-अटैक आया था ? १

ख. खरबूजे बेचनेवाली स्त्री से कोई खरबूजे क्यो नहीं खरीद रहा था ? २

ग. पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अडचन बन जाती है ? 'दुःख का अधिकार' पाठ के आधार पर लिखिए । २

घ. 'धूल' पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए । २

प्र-७ उनाकोटी का अर्थ स्पष्ट करते हुए बतलाएँ कि यह स्थान इस नाम से क्यों प्रसिद्ध है ? ५

प्र-८ १. 'गरीब निवाजु' शब्द का अर्थ 'रैदास के पद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए । १

२. आदमी का आचरण कैसा होना चाहिए ? कविता के आधार पर लिखिए । २

३. रैदास के पदों का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए । २

४. पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के किन-किन रूपो का बखान करती है ? २

प्र-९ 'आदमी नामा' शीर्षक कविता के अंशो को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है ? ५

प्र-१०'स्मृति' कहानी के आधार पर प्रतिपादित कीजिए की किशोरावस्था में व्यक्ति में साहस, निडरता व जोखिम लेने की पर्याप्त क्षमता होती है ? ५

खण्ड – घ (लेखन)

प्र-११ दिए गए संकेत बिन्दूओ के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दो मे अनुच्छेद लिखिए । ५

१. **भ्रष्टाचार : एक समस्या**

– भारत मे भ्रष्टाचार की स्थिति – भ्रष्टाचार के कारण – हल

२. **विद्यार्थी जीवन और फैशन :**

– फैशन क्या है – विद्यार्थियो पर बढ़ते फैशन का प्रभाव – दुष्प्रभावों से बचे कैसे

३. **नारी और नौकरी :**

– नौकरी क्यों – नारी और नौकरी का तालमेल – नारी की दोहरी भूमिका

प्र-१२ अपने जन्मदिन पर मित्र को बुलाने के लिए निमंत्रण-पत्र लिखिए । ५

प्र-१३ दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग २०-३० शब्दों में प्रस्तुत कीजिए विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बन्ध होना चाहिए । ५

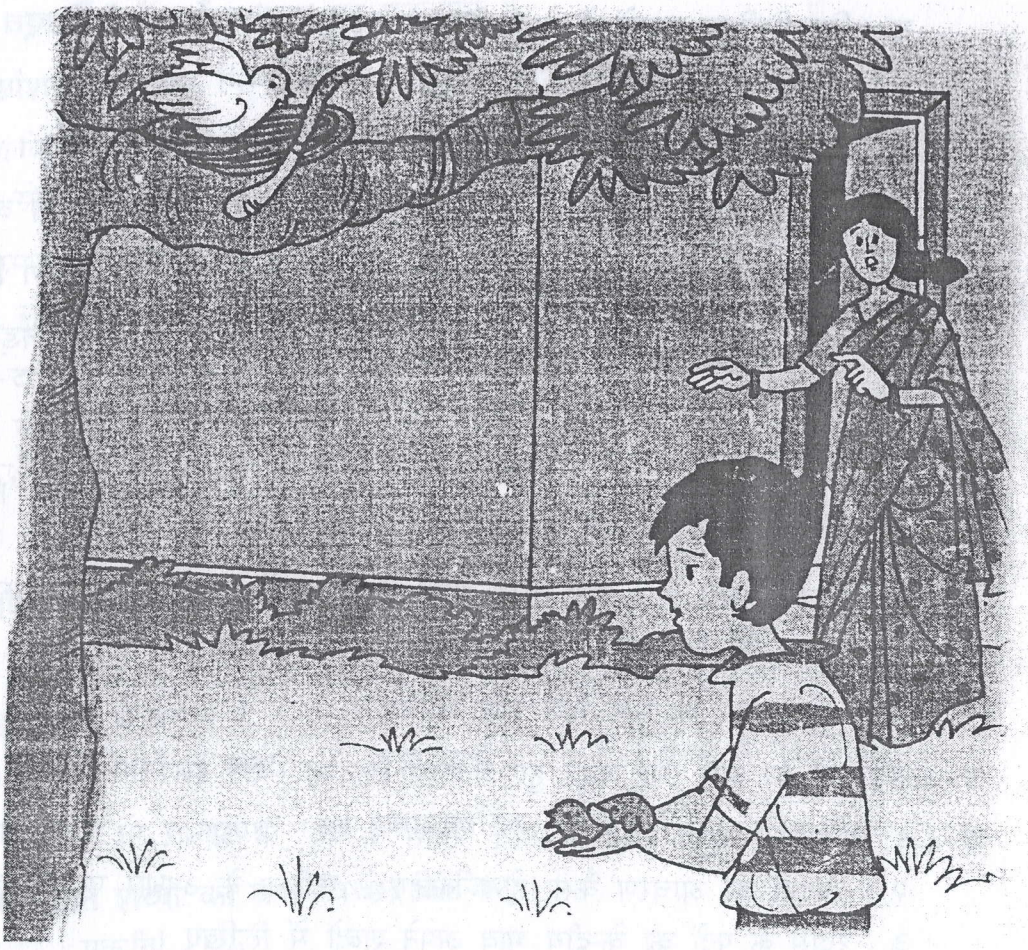

प्र-१४ ग्राहक और दुकानदार के बीच का संवाद लेखन कीजिए । ५